<u>चिकित्सक दिवस पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन</u>

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में राष्ट्रीय **चिकित्सक** दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की रेडक्रॉस इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यूथ रेडक्रॉस कोऑर्डिनेटर डॉक्टर जयपाल सिंह जी ने बताया कि राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस डॉ बिधान चंद्र राय के जन्मदिवस व मृत्यु दिवस जोकि 1 जुलाई ही है के अवसर पर मनाया जाता है और यह डॉक्टर विधान चंद्र राय के अविस्मरणीय कार्यों सेवा भाव व त्याग की भावना का परिणाम है। वेबीनार के मुख्य वक्ता डॉ श्री एम पी सिंह जी ने कोरोना वायरस के दौरान डॉक्टरों के अतुल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि डॉक्टर भगवान का ही दूसरा रूप होते हैं इस महामारी के समय में उन्होंने अपने प्राणों की चिंता नहीं की वह 24 घंटे मरीजों का इलाज करते रहे। कितने ही ऐसे डॉक्टर थे जो महीने तक भी अपने घर नहीं गए थे व कुछ डॉक्टरों ने तो अपनी जान भी गंवा दी। उन्होंने डॉक्टरों के साथ साथ लैब टेक्नीशियन वार्ड बॉय नर्सिंग स्टाफ सफाई स्टॉप आदि सभी के कार्यों की सराहना की। वही महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कृष्णकांत जी ने वेबीनार में उपस्थित सभी से जो डॉक्टर कोविड-19 के दौरान लोगों की जान बचाते हुए स्वर्गवासी हो गए उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 2 मिनट का मौन धारण करने के लिए आगे किया। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने ना केवल मरीजों की जान बचाई बल्कि उन पर आश्रित परिवार के लोगों का जीवन बर्बाद होने से भी बचाया क्योंकि किसी व्यक्ति के मृत्यु के बाद एक परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ता है। गौरतलब है कि आई वेबीनार में लगभग 110 रेड क्रॉस के स्वयं सेवकों व काउंसलर ने भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर श्री कृष्ण कांत जी ने वेबीनार के सफल आयोजन का श्रेय यूथ रेड क्रॉस के कोऑर्डिनेटर डॉक्टर जयपाल सिंह, काउंसलर श्री सुभाष, श्री लवकेश व तकनीकी मदद के लिए श्रीमती दीप्ति गोयल को दिया।